an>

Title: Need to include Koch-Rajbongshi, Adivasi Chai, Ahom, Moran, Motok and Sutiya communities of Assam in the list of Scheduled Tribes.

श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार): मैं असम के एक महत्वपूर्ण विषय की ओर भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। असम के कोच राजबंग्शी, आदिवासी चाय जनगोष्ठी, टाई आहोम, मोरान, मोटोक और चुटिया जंगोष्ठियों को अनुसूचित जनजातिकरण में सूचीबद्ध करने की मांग और संघर्ष कई वर्षों से चली आ रही है। कई वर्षों से इन लोगों द्वारा असम तथा भारत सरकार से वार्तालाप और आंदोलन करने के बावजूद भी समस्या का समाधान अब तक नहीं हुआ है। देश स्वाधीनता के बाद भी इन लोगों का अस्तित्व संकट में है। कोचस् राजबंग्शी जनगोष्ठी को 6 महीने के लिए अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी। दूसरी ओर चाय जनगोष्ठी तथा आदिवासी लोग भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों में बहुत पहले से ही अनुसूचित जनजाति वर्ग को प्राप्त सुविधाओं का लाभ उठाते रहे हैं। अन्य जनगोष्ठी भी असम के विभिन्न जगहों में निवासरत रहने के बावजूद प्रवासन तथा आर्थिक-राजनैतिक परिस्थिति में अपने आपको असुरक्षित महसूस करने पर मजबूर हो रहे हैं।

इसलिए असम तथा देश की उन्नति, अखंडता और शांति के लिए उपरोक्त छः जनगोष्ठी को अनुसूचित जनजाति की सूची में समावेश करने के लिए मैं भारत सरकार से मांग के साथ अनुरोध करता हूँ।

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 24th November, 2016 at 11 a.m.

12.37 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, November 24, 2016/ Agrahayana 3, 1938 (Saka).